पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में आयोजित कुलपति-कुलसचिव बैठक सम्पन्न

लखनऊ: 05 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने छात्रसंघ चुनाव के संबंध में कहा है कि इस वर्ष होने वाली परीक्षा में कोई व्यवधान न हो इसलिये छात्रसंघ चुनाव अगले सत्र के माह अगस्त में लिंगदोह कमेटी के अनुरूप सम्पन्न कराये जायंे। बैठक में निर्णय लिया गया है कि विश्वविद्यालयों के मध्य स्वच्छ प्रतिस्पर्धा बढ़ाने हेतु भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किये गये ''विजिटर अवार्ड'' के अनुरूप राज्य स्तर पर ''चांसलर अवार्ड'' दिये जाने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय की विशेषता को देखते हुए नैक प्रणाली के अन्तर्गत नैक मूल्यांकन के लिये कमी पूरी करके कार्रवाई करने का निर्णय हुआ। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि परीक्षा समय पर हो और उसके परिणाम भी समय पर घोषित किये जाये।

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति, श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित कुलपति एवं कुलसचिव बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालयों को अपना मूल्यांकन कराया जाना आवश्यक किया गया है तथा इस संदर्भ में समय-समय पर राज्यपाल सचिवालय द्वारा भी आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया जाता रहा है, किन्तु आशातीत परिणाम संज्ञान में नहीं आ रहे हैं। वर्तमान में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसंी एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के ही नैक मूल्यांकन वैध हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों, प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा भी अपने से सम्बन्धित संस्थाओं से मूल्यांकन कराये जाने की नितान्त आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि विश्व के चिन्हित उच्च कोटि के 200 विश्वविद्यालयों में भारत का कोई भी विश्वविद्यालय अपनी जगह नहीं बना सका है। यदि हम अपने देश में ही स्थित लगभग 700 विश्वविद्यालयों को संज्ञान में लें तो एक सर्वेक्षण के अनुसार देश के चिन्हित किये गये प्रथम 100 उच्च कोटि के विश्वविद्यालयों की सूची जिनमें 70 विश्वविद्यालय पब्लिक क्षेत्र के तथा 30 विश्वविद्यालय निजी क्षेत्र के हंै, उन 70 विश्वविद्यालयों/संस्थानों मे से प्रदेश के मात्र 2 ही संस्थान/विश्वविद्यालय यथा सजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ 26वें स्थान पर तथा चै0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ 66वें स्थान पर अपना नाम दर्ज करा पाये हैं।

श्री नाईक ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा की गुणवत्ता में अभिवृद्धि लाये जाने हेतु यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालयों में कार्य का स्वच्छ वातावरण हो, विश्वविद्यालय के अधिकारियों के मध्य उचित सामंजस्य हो एवं कार्य करने हेतु प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण हो। दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम के संचालन, वेश-भूषा आदि पर गहनता से विचार विमर्श किया गया। राज्यपाल ने कहा कि आयोजित बैठक में चर्चा के बाद सभी विषयों पर उचित निर्णय लिया जायेगा।

बैठक में कुलपति, कुलसचिव एवं अन्य अधिकारियों के मध्य उचित सामंजस्य एवं समन्वय, शैक्षिक सत्रों का ससमय समापन, लोकतांत्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत छात्र संघों का चुनाव, नैक एवं यथा सम्बन्धित संस्थाओं से विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन, परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन प्रक्रिया की समीक्षा, दीक्षान्त समारोह में एकरूपता, विश्वविद्यालयों के आदेशों के विरूद्ध प्राप्त प्रत्यावेदनों के शीघ्र निस्तारण, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्राविधानानुसार कुलपतियों के कार्यकाल की अवधि एवं उम्र तथा पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में कुलपति और कुलसचिव में समन्वय कैसे हो इस पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। आपसी तालमेल बनाये रखने हेतु उचित सामंजस्य के साथ नियमित रूप से बैठक हों तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों के मध्य कार्य बटवारे के स्पष्ट आदेश होने चाहिए। विश्वविद्यालय के आन्तरिक मामलों में कुलपति का निर्णय अंतिम हो।

विश्वविद्यालय के आदेशों के विरूद्ध योजित किये जाने वाले प्रत्यावेदन का निस्तारण किये जाने पर भी विचार हुआ। मैण्डमस प्रकरणों जिनमें समय-सीमा के अधीन कार्रवाई अपेक्षित हो उसका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर ससमय किया जाये जिससे माननीय न्यायालयों के आदेशों की अवहेलना न हो। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के गजट के प्राविधान के अनुसार कुलपतियों का कार्यकाल 5 वर्ष तथा 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने तक कार्यकाल निर्धारित किये जाने तथा छात्रवृत्ति में पारदर्शिता लाने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में प्रमुख सचिव, राज्यपाल, सुश्री जूथिका पाटणकर, प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा, श्री संजीव मित्तल, प्रमुख सचिव, कृषि शिक्षा, श्री अमित मोहन प्रसाद, प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, सुश्री कल्पना अवस्थी, राज्यपाल के सचिव, श्री चन्द्र प्रकाश तथा विधि परामर्शी, श्री एस0एस0 उपाध्याय भी उपस्थित थे।

कुलाधिपति
की अध्यक्षता में
कुलसचिवों की बैठक
राजभवन, लखनऊ।
05 जनवरी, 2015

मा०
की अध्यक्षता
कुलपति
राजभवन,
05 जनवरी,